

मुट्ठा पुं. (तद्.) 1. किसी चीज का इतना बँधा हुआ अंश जो हाथ की मुट्ठी में मुट्ठा पकड़कर ले जाया जा सकता हो जैसे- घास-फूस का मुट्ठा 2. किसी चीज की भरपूर भरी मुट्ठी 3. किसी चीज का बँधा हुआ पुलिंदा 4. औजार आदि पकड़ने का दस्ता 5. कपड़े की गद्दी जो प्रायः पहलवान आदि बाँहों पर मोटाई दिखलाने या सुंदरता बढ़ाने के लिए बाँधते हैं।

मुट्ठा-मुहेर स्त्री. (देश.) युवा स्त्री।

मुट्ठी स्त्री. (तद्.) 1. हथेली की वह मुद्रा या स्थिति जिसमें पाँचों अंगुलियाँ अंदर की ओर मुड़कर बंद कर ली जाती हैं **लाक्ष.** ऐसी स्थिति जिसमें भीतरी रहस्य और लोगों पर प्रकट न हो सकता है **मुहा.** मुट्ठी गरम करना- किसी से अपना कार्य निकलवाने के लिए उसकी मुट्ठी में या उसे रुपए देना, मुट्ठी में होना- पूरी तरह से अपने अधिकार या कब्जे में होना 2. जितनी वस्तु बंद हथेली में आ जाए 3. किसी के शरीर की थकावट, दर्द आदि को दूर करने के लिए व्यक्ति के अंगों को बार-बार मुट्ठी में दबाने की क्रिया, चंपी 4. घोड़े की दुम और टखने के मध्य का भाग।

मुठभेड़ स्त्री. (तद्.) 1. दो दलों के बीच परस्पर मुट्ठी से प्रहार वाली लड़ाई 2. दो पक्षों के मध्य थोड़ी देर के लिए परंतु जमकर होने वाली लड़ाई 3. सामना।

मुठिका स्त्री. (तद्.) 1. मुट्ठी 2. घूँसा या मुक्का।

मुठिया स्त्री. (तद्.) 1. उपकरण या औजार का दस्ता 2. छड़ी या छाते का वह भाग जो हाथ में पकड़ा जाता है 3. रूई धुनते समय ताँत पर आघात करने का लकड़ी का उपकरण।

मुठियाना स.क्रि. (तद्.) 1. मुट्ठी में लेना या भरना 2. बटेरों को आपस में लड़ाने के लिए उन्हें उत्तेजित करने के उद्देश्य से बार-बार राहत देने के लिए दबाने के उद्देश्य से शरीर के किसी अंग को बार-बार मुट्ठी में लाना और फिर

ढीला छोड़ देना 4. मुट्ठियों से हल्का आघात करना।

मुठी स्त्री. (तद्.) दे. मुट्ठी।

मुठुकी स्त्री. (तद्.) दे. मुट्ठी।

मुड़ पुं. (तद्.) 'मुँड' का संक्षिप्त रूप जो उसे यौगिक पदों के आरंभ में लगने पर प्राप्त होता है जैसे- मुड़चिरा।

मुड़क स्त्री. (तद्.) मुड़कने की क्रिया या भाव।

मुड़कना अ.क्रि. (तद्.) 1. लचकते हुए किसी ओर झुकना या घूमना 2. झटकों के कारण किसी अंग का तन जाना 3. लौटना 4. हिचकना 5. चौपट या नष्ट होना।

मुड़काना स.क्रि. (तद्.) 1. ऐसा कार्य करना जिसमें कुछ मुड़कने में प्रवृत्त हो 2. लौटना 3. चौपट या नष्ट होना।

मुड़चिरा वि. (तद्.) दे. मुँड-चिरा।

मुड़ना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी सीधी, ठोस या कड़ी वस्तु का किसी ओर झुकना 2. किसी व्यक्ति या पदार्थ का एक दिशा से दूसरी दिशा की ओर जाना 3. किसी धारदार नोक का इस प्रकार झुकना कि वह पीछे की ओर चली जाए 4. वापिस आना 5. किसी कार्य से विरक्त होना 6. जमीन पर गिरना।

मुड़-परैना पुं. (तद्.) फेरी करके अपना सामान बेचने वाले का वह भाग जिसमें वह बिक्री की वस्तुएँ रखता है।

मुड़ला वि. (तद्.) जिसके सिर पर बाल न हो।

मुड़वाना स.क्रि. (तद्.) अपने सिर के सारे बाल मुड़वा लेना या मुंडन कराना।

मुड़वारी स्त्री. (तद्.) 1. मुंडेर 2. सिरहाना 3. सिर की ओर का अंश या भाग।

मुड़ह वि. (तद्.) मूर्ख, जड़मति।

मुड़हर पुं. (तद्.) 1. सिर पर पड़ने का साड़ी का भाग 2. सिर का अग्र भाग।